

डॉ. डैनियल के. डार्को, लूका का सुसमाचार, सत्र 34, पुनरुत्थान कथाएँ, लूका 24

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैनियल के. डार्को द्वारा लूका के सुसमाचार पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 34 है, पुनरुत्थान कथाएँ, लूका 24।

लूका के सुसमाचार पर बिब्लिका ई-लर्निंग [Biblicalelearning.org] श्रृंखला में आपका स्वागत है।

जैसा कि आपने यीशु की गिरफ्तारी और मुकदमे पर पिछले व्याख्यान से जाना था, मैंने आपको गिरफ्तारी, मृत्यु और यीशु को कब्र में रखे जाने के विवरण को उजागर करने में सक्षम होने के लिए एक लंबी व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से ले लिया। यहाँ, हम पुनरुत्थान और पुनरुत्थान के बाद की कहानियों को उजागर करने के लिए व्याख्यान श्रृंखला के एक छोटे संस्करण पर आते हैं। यीशु को कब्र में रखा गया।

अरिमतिया के यूसुफ ने यह प्रावधान किया था। लूका के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शी खातों से यह साबित हुआ कि उसे वास्तव में उस कब्र में रखा गया था। प्रत्यक्षदर्शी खातों से यह भी पता चलता है कि महिला अभिषेक का तेल तैयार करने के लिए कब्र पर वापस आई थी।

लूका की कथा में, हमें यह भी बताया गया है कि सब्त एक महत्वपूर्ण विशेषता होने जा रही है, क्योंकि सब्त समाप्त होने तक प्रक्रिया में देरी क्यों होगी। तो, उस विवरण का अनुसरण करते हुए, आइए उस बारे में बात करना शुरू करें, जिसे हमने परंपरा में ईस्टर कहानी या पुनरुत्थान रविवार की कहानी के रूप में संदर्भित किया है। महिला के साथ क्या हो रहा था, उससे शुरू करते हुए, लूका 23:54 से 56 हमें याद दिलाता है कि यह तैयारी का दिन था और सब्त शुरू हो रहा था।

यही वह दिन था जब उसे सूली पर चढ़ाया गया था। जो स्त्री उसके साथ गलील से आई थी, वह उसके पीछे-पीछे गई और उसने कब्र देखी और देखा कि उसका शरीर कैसे रखा गया था। फिर वे वापस लौटीं और मसाले और मलहम तैयार किए।

सब्त के दिन, उन्होंने आज्ञाओं के अनुसार विश्राम किया, लेकिन अध्याय 24, पद 1 से शुरू करते हुए, सप्ताह के पहले दिन भोर में, वे अपने द्वारा तैयार किए गए मसालों को लेकर कब्र पर गए, और उन्होंने पाया कि पत्थर कब्र से लुढ़का हुआ है लेकिन जब वे अंदर गए तो उन्हें प्रभु यीशु का शरीर नहीं मिला। जब वे इस बात से हैरान थे, तो देखो, दो पुरुष चमकदार वस्त्र पहने हुए उनके पास खड़े थे, और जब वे डर गए और अपना चेहरा जमीन पर झुका लिया, तो उस व्यक्ति ने उनसे कहा, तुम जीवित को मरे हुआओं में क्यों ढूँढ़ते हो? वह यहाँ नहीं है, बल्कि जी उठा है। याद करो कि जब वह अभी भी गलील में था, तब उसने तुमसे कैसे कहा था कि मनुष्य के पुत्र को पापियों के हाथों में सौंप दिया जाना चाहिए और क्रूस पर चढ़ाया जाना चाहिए और तीसरे दिन जी

उठना चाहिए। पद 8, उन्होंने उसके कामों को याद किया, उसके शब्दों को याद किया, और कब्र से लौट आए। उन्होंने ये सारी बातें ग्यारहों और बाकी सभी को बताईं।

ये बातें मरियम मगदलीनी और योअन्ना और याकूब की माता मरियम और उनके साथ की दूसरी स्त्री ने प्रेरितों से कहीं। परन्तु ये बातें उन्हें झूठी कहानी लगीं। उन्होंने उन पर विश्वास न किया।

लेकिन पतरस उठकर कब्र की ओर दौड़ा। झुककर उसने देखा कि कपड़े अलग-अलग पड़े हैं और वह जो कुछ हुआ था, उस पर अचंभित होकर घर चला गया। इस घटना से सबसे पहले जो बात समझ में आती है, वह है कब्र पर मौजूद महिला को देखना।

सबसे पहले, यह महिला उनके द्वारा तैयार किए गए इत्र के साथ आई, और हमें बताया गया कि वे दूर नहीं खड़े थे। वे कब्र में गए और उन्हें कोई शव नहीं मिला, और ल्यूक ने इस शब्द का उपयोग किया कि उन्हें प्रभु यीशु का शव नहीं मिला, और वे हैरान थे। मैं जिस बात पर वापस आऊंगा वह यह है कि उन्हें चमकते हुए कपड़े पहने दो आदमी मिले जिन्होंने उनके साथ पुनरुत्थान के बारे में साझा किया, उन्हें याद दिलाया कि जिसे वे खोज रहे थे वह जी उठा था।

वे डर गए थे। उन्होंने अपना चेहरा ज़मीन पर झुका लिया, और हमें बताया गया कि वह महिला ग्यारह और अन्य लोगों को कहानी बताने आई थी। हमें यहाँ जो बताया जा रहा है वह यह है।

पुनरुत्थान पहला गवाह था। इस दृश्य की पहली गवाह महिलाएँ थीं। अन्य सुसमाचार हमें यह भी याद दिलाएंगे कि यीशु के जी उठने की घोषणा करने वाली पहली व्यक्ति मैरी मैगडलीन होगी।

लूका ऐसा नहीं कहता। लूका हमें बताता है कि वह स्त्री उस जगह गई और उसने दो आदमियों को देखा। उन्हें बताया गया कि यीशु जी उठे हैं।

वे शिष्यों के पास आए और उन्हें बताया। वे हैरान हो गए। दूसरे लोग सोच रहे थे कि क्या हो रहा है।

पीटर ने कहा नहीं, मुझे इसकी जांच करने दो, इसलिए पीटर कब्र में क्या हो रहा है, यह देखने के लिए उस जगह पर भागा। उसने पाया कि शव वहाँ नहीं था, लेकिन शव के चारों ओर लपेटा गया लिनन का कपड़ा अभी भी वहाँ था। पहली बात जो मैं इस मूल विवरण में उजागर करना चाहूंगा, जिससे हम बहुत परिचित हैं, वह यह तथ्य है कि ल्यूक दो पुरुषों के बारे में बात करता है जो उस दृश्य में थे। जैसा कि हम पुनरुत्थान कथाओं के बारे में सोचते हैं, विभिन्न सुसमाचार खाते इस आदमी को विभिन्न दृश्यों में प्रस्तुत करते हैं।

लूका में दो आदमी थे जो चमकीले कपड़े पहने हुए थे। जब हम मत्ती की ओर आते हैं, तो मत्ती उन्हें स्वर्गदूतों के रूप में वर्णित करता है। वास्तव में, मत्ती ने उनका वर्णन बहुवचन में नहीं किया।

मैथ्यू एक स्वर्गदूत की ओर इशारा करता है जो समाचार साझा करेगा, और मार्क एक युवा व्यक्ति के बारे में बात करता है जो उन्हें इस बारे में बताएगा। अब मैं नहीं चाहता कि आप स्वर्गदूतों या

मानव जाति के बारे में चर्चा को लेकर भ्रमित हों क्योंकि एक स्वर्गदूत ईश्वर का संदेशवाहक होता है, और मैं नहीं चाहता कि आप एक मिनट के लिए भी यह विश्वास करें कि जब भी हम बाइबिल के स्वर्गदूतों के बारे में सोचते हैं, तो हम पीठ पर दो पंख वाले और सफेद कपड़े पहने हुए और हमेशा फिल्मों की तरह दिखने वाले कुछ लोगों के बारे में सोच रहे होते हैं। यह हमारे लिए उन सामाजिक प्राणियों की कल्पना करने और मानव जाति के क्षेत्र में उनके संचालन के तरीके को समझने का एक अच्छा तरीका है।

लेकिन स्वर्गदूतों को मनुष्य के रूप में भी भेजा जा सकता है। एक स्वर्गदूत पारंपरिक मानव के रूप में प्रकट हो सकता है, जैसा कि हम सदोम और अमोरा की घटना और स्वर्गदूतों के प्रकट होने के बारे में सुनते हैं। वे लगभग मानव रूप में थे, इस हद तक कि शहर के निवासी उनके साथ सोना भी चाहते थे।

स्वर्गदूत कई रूपों में प्रकट होते हैं। इसलिए, यहाँ मुद्दा यह नहीं है। यदि आप एक छात्र हैं, तो आपके लिए असाइनमेंट यह है कि लूका में दो आदमी क्यों हैं, मैथ्यू में एक स्वर्गदूत एकवचन और मार्क में एक युवक एकवचन।

इसके बावजूद, सभी सुसमाचार लेखक इस तथ्य की ओर इशारा कर रहे थे कि वहाँ एक आध्यात्मिक व्यक्ति था जो उस स्थान पर आने वालों को यह घोषणा करता था कि वास्तव में क्या हुआ था। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने कब्र पर आने वालों की कल्पना पर यह नहीं छोड़ा कि वे क्या हुआ था, बल्कि उन्हें एक दिव्य दूत द्वारा बताया गया था कि क्या हुआ था। लूका में यह कोई नई बात नहीं है कि दिव्य दूत समाचार देंगे।

अगर आपको याद हो, तो एक दिव्य दूत मरियम को खबर देगा। एक दिव्य दूत खेत में चरवाहों को खबर देगा। लूका में दिव्य दूत खबर देंगे।

यदि आप प्रथम शताब्दी के ब्रह्माण्ड विज्ञान को उन शब्दों में कल्पना करना पसंद करते हैं, तो यह वैचारिक ढांचे में अकल्पनीय नहीं है। मसीह जी उठे हैं, और एक कथन जो मेरे लिए सबसे अलग है, वह यह है: आप मृतकों के बीच जीवितों के लिए मृतकों की प्रतीक्षा क्यों करते हैं और उनकी प्रतीक्षा क्यों करते हैं? आप क्यों ऐसे आते हैं जैसे कि आप किसी मृत शरीर, एक लाश, एक बेजान प्राणी की किसी तरह की देखभाल करने आ रहे हैं, जबकि वह जीवित है और पहले से ही अपनी सेवकाई जारी रख रहा है? आप मृत्यु के रूप में जीवन की हार की तलाश क्यों करते हैं, जब प्रभु ने जीवन पर विजय प्राप्त की है और मृतकों में से जी उठे हैं और वहाँ परमेश्वर की शक्ति और इस मसीहा के हमारे संसार में आने की घोषणा कर रहे हैं? जैसा कि आप इस अंश को देखते हैं, मैं कुछ समानताएँ खींचना चाहता हूँ और आपको अन्य समानताएँ दिखाना चाहता हूँ जिन्हें आप अन्य सुसमाचारों को पढ़ते समय देख सकते हैं।

सबसे पहले यह देखना है कि जब आप मैथ्यू के विवरण को पढ़ते हैं, जैसा कि मैंने आपको दिखाया, मैथ्यू स्वर्गदूत के बारे में बात करता है, लूक दो युवकों के बारे में बात करता है, और मार्क एक युवक के बारे में बात करता है। दूसरी बात जो आप देखते हैं वह यह है कि मैथ्यू में, प्रभु का एक स्वर्गदूत स्वर्ग से उतरा, आया, पत्थर को लुढ़काया, और उस पर बैठ गया। मार्क ने उन

विवरणों की इतनी परवाह नहीं की, लेकिन केवल यह संकेत दिया कि उन्होंने देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ था, और ल्यूक के लिए भी यही था, पत्थर लुढ़का हुआ था।

मैं आपको कुछ और समानताएँ दिखा सकता हूँ। जैसा कि हम इसे देखते हैं, आप उस महिला को देखते हैं जो अंदर गई थी, और आप महसूस करते हैं कि मैथ्यू में, यह मैरी मैगडलीन है, दूसरी मैरी, जो कब्र पर गई थी। मार्क में, यह मैरी मैगडलीन थी जिसने जेम्स और सलोमी की माँ से विवाह किया था, जिसका मैथ्यू उल्लेख नहीं करता है, और फिर आप ल्यूक के पास आते हैं। यह मैरी मैगडलीन है। यह जो आना और मैरी हैं, जो जेम्स और अन्य महिलाओं की माँ हैं। उसने सलोमी का उल्लेख नहीं किया है। हालाँकि, मैं नहीं चाहता कि आप इस संबंध में मार्क और ल्यूक में जो चल रहा है, उसे नज़रअंदाज़ करें क्योंकि महिलाओं के मामले में, वे सभी अन्य महिलाओं का उल्लेख करते हैं, मुद्दा यह है कि वे कुछ महिलाओं पर ज़ोर देते हैं जो उन्हें लगा कि उनके आख्यान में महत्वपूर्ण हैं।

पुनरुत्थान का संदेश यह है। तुम जीवित को मरे हुआओं में क्यों ढूँढ़ते हो? वह यहाँ नहीं है, बल्कि जी उठा है। याद करो कि जब वह गलील में था, तब उसने तुमसे कैसे कहा था कि मनुष्य के पुत्र को पापियों के हाथों में सौंप दिया जाना चाहिए और क्रूस पर चढ़ाया जाना चाहिए और तीसरे दिन जी उठना चाहिए, और उन्होंने पद 13 से उसके शब्दों को याद किया।

उसी दिन, अर्थात् पुनरुत्थान के उसी दिन, दो व्यक्ति इम्माऊस नामक एक गाँव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से लगभग सात मील दूर था, और वे आपस में इन सब बातों के विषय में बातें कर रहे थे जो घटित हुई थीं। जब वे आपस में बातें और विचार-विमर्श कर रहे थे, तो यीशु आप निकट आकर उनके साथ हो लिया, परन्तु उनकी आँखें उसे पहचानने से रह गई थीं। उसने उनसे पूछा कि चलते समय वे आपस में क्या बातें कर रहे थे। और वे उदास होकर खड़े रहे, तब उनमें से एक जिसका नाम क्लियोपास था, वैसे, यह एकमात्र स्थान है जहाँ क्लियोपास का उल्लेख है, ने उससे कहा, क्या यरूशलेम में केवल तू ही एक ऐसा यात्री है जो इन दिनों में वहाँ हुई बातों को नहीं जानता? और उसने उनसे पूछा, कौन सी बातें? और उन्होंने उससे यीशु नासरी के विषय में कहा, जो भविष्यद्वक्ता था, और परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी था, और हमारे महायाजकों और सरदारों ने उसे पकड़वाकर मृत्यु दण्ड दिया, और क्रूस पर चढ़ाया।

लेकिन हमें उम्मीद थी कि वह इस्राएल को छुड़ाने वाला था, हाँ, और इन सबके अलावा, इन बातों को हुए अब तीसरा दिन हो गया है। इसके अलावा, हमारी कंपनी की कुछ महिलाओं ने हमें आश्चर्यचकित कर दिया, वे सुबह-सुबह एक कब्र पर गईं, और जब उन्हें उसका शरीर नहीं मिला, तो वे यह कहते हुए वापस आईं कि उन्होंने स्वर्गदूतों का एक दर्शन भी देखा था जिन्होंने कहा था कि वह जीवित है। हमारे साथ जो लोग थे, उनमें से कुछ कब्र पर गए और उन्होंने वैसे ही पाया जैसा महिलाओं ने कहा था, लेकिन उन्होंने उसे नहीं देखा।

और उसने उनसे कहा, अरे मूर्खों, जो अन्य सभी भविष्यद्वक्ताओं ने जो कहा है, उस पर विश्वास करने में धीमे हो, क्या यह आवश्यक नहीं था कि मसीह इन दुखों को सहे और अपनी महिमा में प्रवेश करे और मूसा और सभी भविष्यद्वक्ताओं से शुरू करे? उसने सभी शास्त्रों में अपने बारे में जो कुछ भी लिखा है, उसका अर्थ उन्हें समझाया। ये विवरण अक्सर इम्माऊस के रास्ते पर दो

लोगों के सामने यीशु के प्रकट होने का उल्लेख करते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि इस प्रकटन में, हम दो पुरुषों के बारे में बात कर रहे हैं जो 11 प्रेरितों का हिस्सा नहीं हैं।

इसलिए, हम उन 11 लोगों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, जिनमें से यहूदा अब अस्तित्व में नहीं है। हम अन्य अनाम प्रेरितों के बारे में बात कर रहे हैं और उनमें से एक का नाम यहाँ लूका द्वारा क्लियोपास के रूप में रखा जाएगा। इस भाग में ध्यान देने वाली दूसरी बात जो मैंने अब तक पढ़ी है, वह यह है कि यीशु उसके साथ, उसके बारे में उनके साथ बातचीत में शामिल हुए।

यह वही दिन था जब वह मृतकों में से जी उठा था, और हमें बताया गया है कि इस समय तक, किसी ने भी यीशु के साथ शारीरिक संपर्क नहीं किया था। महिला ने दो पुरुषों से सुना कि वह जी उठा है। पतरस उस स्थान पर गया और देखा कि वह वहाँ नहीं था।

ये लोग रिपोर्ट करेंगे कि उन्होंने जो देखा या महिला से जो सुना, वह घटना का वर्णन है, जैसे कि यह एक स्वर्गदूत का दर्शन था जो उन्हें बता रहा था कि क्या हुआ था। यीशु उसके बारे में बातचीत में शामिल हो गए, और उन्होंने ऐसा दिखावा किया जैसे कि उन्हें नहीं पता कि क्या हो रहा था। ये दोनों व्यक्ति हैरान थे, वे दुखी थे और सोच रहे थे कि ऐसा क्यों हुआ। वे इम्मांस की सड़क पर परेशान लग रहे थे, उस कई मील की यात्रा में भटक रहे थे।

हालाँकि हम इम्मांस की सही जगह नहीं जानते, लेकिन ल्यूक हमें बताता है कि यह यहूदियों का एक शहर है जो यरूशलेम से कुछ ही मील दूर है। वैसे, अगर आप अमेरिका में नहीं रहते हैं, तो कई मील पैदल चलना कोई बड़ी बात नहीं है। मैं अपने चाचा के खेत में जाने के लिए पहले बहुत ज़्यादा पैदल जाता था।

ठीक है, तो ये लोग बस यही सोच रहे थे कि हम क्या करेंगे, लेकिन यीशु रास्ते में उनसे मिलने आएँगे। ऐसा लगता है जैसे दूसरों को खबर मिल गई है और यरूशलेम में उन्हें सहायता प्रणाली मिल गई है। ऐसा लगता है जैसे यीशु के ये दो अनुयायी इतने अभिभूत थे कि उन्हें खुद यीशु की ज़रूरत थी कि वे आकर उन्हें कुछ दिखाएँ।

जब वे यरूशलेम में हुई घटना के बारे में बात करते हैं, तो हमें बताया जाता है कि उन्हें यीशु को पहचानने से रोका गया, हालाँकि वे बहुत दुःखी थे। वे यीशु के बारे में सुनी गई कहानियों या अनुभवों को दोहराते हैं। उस वृत्तांत के बारे में दिलचस्प बात यह है कि वे मसीहा बनने की उम्मीद करते हैं।

मुझे श्लोक 21 में यह बात दिलचस्प लगी, एक पंक्ति जिसका अक्सर उल्लेख नहीं किया जाता जब लोग इस बारे में बात करते हैं, कि इस आदमी को उम्मीद थी कि यीशु इस्राएल का मुक्तिदाता होगा। हम उस पंक्ति को क्यों भूल जाते हैं? मैं नहीं चाहता कि आप इसे भूल जाएँ। मैं नहीं चाहता कि आप इसे भूल जाएँ, लेकिन इससे पहले कि मैं इस पर विस्तार से बात करूँ, मैं आपको याद दिला दूँ कि उन्होंने यीशु को यह भी बताया कि, वास्तव में, दृश्य का प्रत्यक्षदर्शी विवरण उन्हें भी हस्तांतरित किया गया था और वे उस महिला से जानते थे कि यीशु जी उठे थे और उनके समूह से एक बेटा था।

जैसा कि हमें पहले बताया गया था, पीटर यह जाँचने के लिए साइट पर गए थे कि क्या यह सच है, और उन्होंने सत्यापित किया था कि शव कब्र में नहीं था और यीशु सुन रहे थे कि उनके अपने शिष्यों द्वारा उनके स्वयं के पुनरुत्थान की कहानी कैसे सुनाई जा रही थी और जब वे सुन रहे थे कि वे यह कहानी कैसे बता रहे थे, तो इस कहानी में कुछ ऐसा दिलचस्प था जो उनके दुख से लगभग जुड़ा हुआ था कि इस्राएल के मुक्तिदाता ने उनकी उम्मीदों को तोड़ दिया है और वे नहीं जानते कि क्या हो रहा था। मैं आपको याद दिला दूँ कि यीशु ने लूका के सुसमाचार में एक श्रृंखला में परमेश्वर के राज्य के बारे में बात की थी। अब तक, मैंने आपका ध्यान बार-बार आकर्षित किया है क्योंकि यीशु परमेश्वर के राज्य के बारे में बात करते हैं, लेकिन अक्सर, ये लोग इस्राएल में इस हद तक रुचि रखते थे कि वे परमेश्वर के राज्य और परमेश्वर के राज्य के दायरे से अंधे हो गए थे। क्या आपको याद है जब वे बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे कि कौन सबसे महान होगा? मेरा मतलब है, अगर आप यीशु के शिष्यों को जानते, तो वे आपके और मेरे जैसे होते।

वे वास्तव में चाहते हैं कि मसीहाई भविष्यवाणियाँ सच हों, कि ईश्वर का मुक्तिदाता, मसीहा आए, मसीहा इन विदेशी कब्जों से छुटकारा पाए, और फिर मसीहा दाऊद के समय की तरह राज्य और अपने क्षेत्रों को बहाल करे, और ईश्वर के लोग शांति से रहें। उन्हें इसकी उम्मीद थी, लेकिन क्या यीशु उन्हें यही बता रहे थे? नहीं! यीशु ईश्वर के राज्य के बारे में बात कर रहे थे। जब यीशु यहूदी क्षेत्र से बाहर थे, तब भी उन्होंने ईश्वर के राज्य के बारे में बात की। जब वे सामरिया में थे, तब भी उन्होंने ईश्वर के राज्य के बारे में बात की। क्या यह दिलचस्प नहीं है कि यीशु के अनुयायी वही मानना चाहते हैं जो वे मानना चाहते हैं? मेरा एक मित्र है जो मुझे याद दिलाना पसंद करता है, और वह दानिय्येल के प्रभाव वाली बातें कहना पसंद करता है। मैं आपको यह गहन बात बताता हूँ जिसे आपको कभी नहीं भूलना चाहिए, और मैं आमतौर पर इसे कहूँगा। वह कह रहे थे कि लोग वही करेंगे जो वे करना चाहते हैं, और लोग वह नहीं करेंगे जो वे नहीं करना चाहते। पूर्ण विराम।

यह कितना गहन है? खैर, यह बहुत सरल लगता है, लेकिन यह बात है। हम अपने मन को अपनी अपेक्षाओं, अवधारणाओं, पूर्वधारणाओं और मान्यताओं से भर लेते हैं, और कहते हैं, हे ईश्वर, यह पैकेज है।

हम चाहते हैं कि आप इस पर काम करें। शिष्य भी इम्माऊस के रास्ते पर यही कर रहे थे। मैं आपको एक और बात याद दिलाना चाहता हूँ।

प्रेरितों के काम की पुस्तक में, हमें बताया गया है कि यीशु प्रेरितों के काम अध्याय 1, पद 3 में प्रकट हुए। पुनरुत्थान के बाद वे 40 दिनों तक शिष्यों के सामने प्रकट हुए, और उन्होंने परमेश्वर के राज्य के बारे में प्रचार किया। और फिर प्रेरितों के काम, अध्याय 1, पद 6 में, पूरे, उसी लूप में, हमें यह बताते हुए कि जब भी हम यहाँ इस विवरण को पढ़ते हैं, तो हमें क्या याद रखना चाहिए, शिष्य पीछे मुड़ते हैं और यीशु से पूछते हैं, प्रभु, क्या आप इस समय इस्राएल को राज्य वापस लौटा देंगे? अब, उन लोगों के साथ धैर्य रखें जो राष्ट्रवादी हैं। धैर्य रखें।

अगर कुछ भी हो, तो यीशु के शिष्य जो उसके साथ थे, हमें याद दिलाते हैं कि अगर वे यीशु की शिक्षाओं का उस पूर्ण स्पष्टता के साथ पालन नहीं कर सकते थे और चीजों को बदलने के लिए

उन्हें पंचकोण की आवश्यकता थी, तो अगर आपको लगता है कि उनके पास बहुत कठोर दिल या मजबूत दिमाग है, तो शायद आपका दिमाग और मेरा दिमाग उनके दिमाग से ज्यादा मजबूत पत्थर की तरह है। वे थे, उन्होंने उम्मीद की थी, ल्यूक कहते हैं। हमें पता होना चाहिए कि वे क्या उम्मीद कर रहे थे। वे उम्मीद कर रहे थे कि वह इज़राइल को आज्ञाद कराने के लिए आ रहा है, और वह नहीं आया।

और फिर वे कहते हैं, वैसे, महिला वहाँ गई, और दूसरे शब्दों में, क्रूस पर चढ़ने ने उनके उद्देश्य को धराशायी कर दिया। जॉन में, क्रूस पर चढ़ने ने उनके उद्देश्यों को इस हद तक धराशायी कर दिया कि पतरस छह शिष्यों को लेकर गलील वापस चला गया और जॉर्डन में मछली पकड़ना शुरू कर दिया। उन्हें लगता है कि सब खत्म हो गया है।

लेकिन जब हम अभी भी इन दो लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, तो याद रखें कि जब वे इम्माऊस के गाँव के पास पहुँचेंगे, जहाँ वे जा रहे थे, तो क्या होगा। वह, यीशु, ऐसा व्यवहार कर रहा था मानो वह आगे जा रहा था, लेकिन उन्होंने उससे दृढ़ता से आग्रह किया, और कहा, हमारे साथ रहो क्योंकि शाम हो चुकी है, और दिन अब बहुत ढल चुका है। इसलिए, वह उनके साथ रहने के लिए अंदर चला गया।

जब वह उनके साथ भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी ली, उसे आशीर्वाद दिया, उसे तोड़ा और उन्हें दिया। उनकी आँखें खुल गईं, और उन्होंने उसे पहचान लिया, और वह उनकी आँखों से ओझल हो गया। उन्होंने एक-दूसरे से कहा, क्या हमारे दिलों में जलन नहीं हुई? जब वह हमसे सड़क पर बात कर रहा था, तो उसने हमारे लिए शास्त्रों को खोला, और उसी घंटे वह उठ खड़ा हुआ। वे यरूशलेम लौट आए, और उन्होंने ग्यारह लोगों को पाया, और जो उनके साथ थे, वे इकट्ठे हुए, और कह रहे थे, प्रभु सचमुच जी उठे हैं। वह शमौन को दिखाई दिए हैं।

फिर उन्होंने बताया कि रास्ते में क्या हुआ था और उन्होंने देखा कि रोटी तोड़ने के दौरान उन्हें कैसे पता चला। अब, इससे पहले कि आप यहाँ इतने सारे यूचरिस्टिक निर्माणों में उलझ जाएँ, मैं इस अंश से कुछ मुख्य बातों पर प्रकाश डालना चाहूँगा ताकि हम याद रख सकें कि क्या हो रहा है। इम्माँस के रास्ते पर, लोग वास्तव में अंधे हो गए थे।

उन्हें यह पहचानने में बाधा उत्पन्न हुई कि यीशु कौन थे। और इसलिए, एक अच्छी बात हुई, जो कि कुछ ऐसा है जिसे मैं वास्तव में सुनने के लिए यीशु के स्थान पर होना चाहता था क्योंकि मुझे लगता है कि यह सुनने में सक्षम होना अच्छा होगा, ओह, क्या आप उस यीशु व्यक्ति के बारे में नहीं जानते हैं, और उन्होंने उसे सूली पर चढ़ा दिया और फिर वैसे हमारे पास उस महिला के बारे में एक कहानी थी और यीशु ने महसूस किया कि वास्तव में, उन्हें पूरी कहानी बरकरार मिली है। यह अच्छा है।

वे अब सच्चे गवाह बन सकते हैं। वे अब जो जानते और सुनते हैं, उसके बारे में सच बता सकते हैं। हालाँकि, उनकी आँखें तब खुलने वाली थीं जब वे यीशु को उनके साथ रात बिताने के लिए राजी कर पाए, और उन्होंने खाना शुरू कर दिया।

अब, मैं आपको याद दिलाना चाहूँगा कि यदि आप एक छात्र हैं जो स्नातक कार्य के बारे में सोच रहे हैं और अभी भी इस व्याख्यान श्रृंखला का अनुसरण करने का प्रयास कर रहे हैं, तो मैं आपको लूका के सुसमाचार में भोजन के समय की कहानियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ। लूका में बहुत सी चीजें भोजन के समय के आसपास होती हैं। भोजन का समय एक ऐसा स्थान है जहाँ एक पापी फरीसी मेजबान और फरीसी दर्शकों के नुकसान के लिए यीशु की सेवा करेगा।

हमारे पास भोजन के समय के ऐसे कई उदाहरण हैं जो उल्लेखनीय हैं। यह लगभग वैसा ही है जैसा मैंने अमेरिका में अपने छात्रों से कहा था, अमेरिकी मंत्रालय, जिसे चर्च करने में विफल रहा है क्योंकि, अमेरिका में, हम भोजन पसंद करते हैं, और यदि आप ल्यूक के सुसमाचार को उठाते हैं, तो यीशु अमेरिकी हैं। उन्हें भोजन के इर्द-गिर्द मंत्रालय पसंद था।

उसने रोटी ली, उसे तोड़ा और आशीर्वाद दिया। यह सिर्फ़ यूचरिस्टिक फ़ॉर्मूला था, और जैसे ही उसने उन्हें खाना दिया, उसने उन्हें दे दिया। धमाका! यह स्पष्ट हो गया। यीशु इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि वे मसीहा की पीड़ा और महिमा के बारे में पैगंबर द्वारा कही गई बातों पर अविश्वास करने में मूर्ख हैं।

हाँ, यीशु उनके साथ रहेगा और उनके साथ रोटी बाँटेगा, लेकिन जैसे ही यीशु गायब हुआ, उन्हें एहसास होने लगा कि कैसे उसके शब्द ही भीतर से जलन, भीतर से एक सकारात्मक धार, भीतर से एक सकारात्मक अनुभूति ला रहे थे, और जैसे ही वे यरूशलेम गए, वे बाकी शिष्यों से मिले। पहली बार, हम कुछ ऐसा सुनते हैं जो लूका ने हमें नहीं बताया है। यरूशलेम में उन्हें जो बताया गया था, उससे ऐसा लगता है कि यीशु ने वहाँ पहुँचने से पहले खुद को शमौन के सामने व्यक्तिगत रूप से प्रकट किया था। लूका यहाँ क्या कर रहा है? खैर, लूका हमें बता रहा है कि कब्र में महिलाएँ गवाह थीं कि कब्र खाली थी।

पतरस गवाह है कि कब्र खाली है, और लूका हमें बताता है कि इम्माऊस के रास्ते पर दो आदमी, यीशु के एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रत्यक्षदर्शी हैं जो मृतकों में से जी उठा है। उसने उनके साथ रोटी तोड़ी। उसने उनसे सिर्फ़ बातचीत ही नहीं की।

उसने उनके साथ वही किया जो मानवीय था, और वह उनके साथ उस मानवीय रूप में प्रकट हुआ। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, लूका हमें याद दिलाता है कि वह 40 दिनों तक उनके सामने आया, उन्हें शिक्षा दी और उनके साथ व्यवहार किया। लूका चाहता है कि हम यह समझें कि यीशु का पुनरुत्थान एक कल्पना नहीं है।

जैसा कि पॉल बाद में कहेंगे कि यदि मसीह मृतकों में से नहीं जी उठे होते, तो हमारा विश्वास व्यर्थ होता, और उसके बाद, यरूशलेम के वृत्तांत में, हम यीशु के रूप में कुछ बहुत ही रोचक घटना को देखने जा रहे हैं, क्योंकि ये दोनों बाकी 11 लोगों के साथ शामिल हुए और यीशु के साथ अपने अनुभव साझा किए। पद 36 के बाद, जब वे बात कर रहे थे, यानी अब वे यरूशलेम में उनके साथ हैं, जब वे यरूशलेम में उस घर में 11 लोगों और कुछ अन्य लोगों के साथ इन बातों के बारे

में बात कर रहे थे, यीशु स्वयं उनके बीच में खड़ा था, और उसने उनसे कहा, शालोम, तुम्हें शांति मिले। वे चौंक गए।

और डर गए और सोचा कि उन्होंने एक आत्मा को देखा है। ध्यान दें कि उन्होंने सोचा कि उन्होंने एक आत्मा को देखा है। ल्यूक कहेंगे कि इस मुद्दे को संबोधित किया जाएगा, और उसने उनसे कहा, तुम क्यों परेशान हो, और तुम्हारे दिलों में संदेह क्यों उठता है? मेरे हाथ और मेरे पैर देखो; वह मैं ही हूँ। मुझे छूओ और देखो।

क्योंकि आत्मा के मांस और हड्डियाँ नहीं होतीं जैसा कि तुम मुझ में देखते हो। यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और पाँव दिखाए। जब वे आनन्द के मारे अविश्वासी हो रहे थे और अचम्भा कर रहे थे, तो उसने उनसे पूछा, "क्या यहाँ तुम्हारे पास कुछ खाने को है?" यह एक और भोजन-सेवा है।

उन्होंने उसे भुनी हुई मछली का एक टुकड़ा दिया, यदि तुम भुनी हुई मछली पसंद करते हो, और उसने उसे लेकर उनके सामने खाया। फिर उसने उनसे कहा, "ये मेरी वे बातें हैं, जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमसे कही थीं। कि मूसा और भविष्यद्वक्ताओं और पुत्रों की व्यवस्था में मेरे विषय में जो कुछ लिखा है, वह सब पूरा होना अवश्य है।"

फिर, उसने उनके मन को शास्त्रों को समझने के लिए खोल दिया। यहाँ शास्त्रों का मतलब है व्यवस्था, भविष्यद्वक्ता और भजन। और उसने उनसे कहा। इस प्रकार, यह लिखा है कि मसीह को दुख उठाना चाहिए और तीसरे दिन, मृतकों में से जी उठना चाहिए और पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप यरूशलेम से शुरू होने वाले सभी राष्ट्रों में उनके नाम से घोषित किया जाना चाहिए।

तुम इन बातों के साक्षी हो और देखो, मैं अपने पिता की प्रतिज्ञा को तुम पर उतार रहा हूँ। लेकिन जब तक तुम ऊपर से सामर्थ्य न पाओ, तब तक किसी नगर में ठहरे रहो। यह बहुत ही आश्चर्यजनक बात है।

यीशु उनके सामने प्रकट होते हैं, उनका अभिवादन करते हैं और शांति कहते हैं। यदि आप संदेह में हैं या आप परेशानी में हैं तो आपको शांति मिले, शांति, शांति। पिछले दो वर्षों में, दुनिया के विभिन्न हिस्सों से मेरे छात्र मेरे द्वारा ब्राज़ील से सीखे गए सबसे महत्वपूर्ण शब्द को कहने से थक गए हैं।

ट्रैकिलो, आराम, शांति। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि यीशु ने कुछ पुरुषों को इकट्ठा होते देखा होगा, उनके साथ कुछ महिलाएँ भी थीं, जो डरी हुई थीं, उन्हें नहीं पता था कि क्या करना है, और यहाँ तक कि यीशु को उनके बीच देखकर, उन्हें आश्चर्य हुआ होगा कि उनकी आत्मा वहाँ थी या नहीं। वह ट्रैकिलो, शालोम, शांति, आराम करता है।

अगर आप सोच रहे हैं कि यह जॉन के सुसमाचार से अलग एक आत्मा है, जिसमें हम थॉमस के बारे में बात करते हैं। यहाँ, हमारे पास थॉमस की कहानी नहीं है।

अगर आप सोच रहे हैं, तो यह एक आत्मा है। ल्यूक ने प्रत्यक्षदर्शी विवरण दिया है। यीशु ने कहा कि वह उन्हें अपने हाथों और पैरों से क्रूस पर चढ़ने का सबूत दिखाने के लिए तैयार है, और वह उन्हें बिल्कुल वैसा ही दिखाएगा।

आप देखिए, आत्मा की तरह सोचने के डर ने किसी ऐसी चीज़ के लिए सबूत देने की ज़रूरत को प्रेरित किया जिसे छुआ और देखा जा सकता है। झूठे गवाह वे होते हैं जो ऐसी चीज़ों की गवाही देते हैं जिन्हें उन्होंने न देखा, न सुना, न अनुभव किया। यीशु यरूशलेम में इन लोगों को, इम्मांस की तरह, कुछ देखने और खाने के लिए कुछ छूने की पेशकश करते हैं ताकि वे सच्चे गवाह बन सकें।

यीशु द्वारा शास्त्रों, अर्थात् टोरा, भविष्यद्वक्ताओं और भजनों से घटनाओं का वर्णन करने के साथ, वे शास्त्रों की पूर्ति के बारे में पूरी तरह से अवगत हो जाते हैं, जैसा कि मसीहा उन्हें स्पष्ट करता है। जो लोग डरे हुए थे उनकी दूसरी प्रतिक्रिया अब उन लोगों में बदल जाती है जो बहुत खुश थे। यहाँ विस्मय शब्द का प्रयोग सकारात्मक तरीके से किया गया है, जिसका अर्थ है कि वे खुशी से विस्मित थे।

अब, वे कुछ खुशनुमा देखते हैं, लेकिन वे यह भी नहीं जानते कि इसे कैसे समझाया जाए। पुनरुत्थान का प्रमाण स्पष्ट है। वह दूसरे भोजन के समय उनके साथ भुनी या भुनी हुई मछली खाता है, और वह उनके दिमाग को यह समझने के लिए खोलता है कि भविष्यद्वक्ताओं ने मसीहा के बारे में क्या कहा है।

वादा पूरा हो चुका है, और फिर यीशु उन्हें याद दिलाता है कि गवाह होंगे। दूसरे शब्दों में, जो हो रहा है वह यह है कि वह उन्हें भविष्यवाणी का दायित्व सौंपने जा रहा है। हम इस परंपरा को इज़राइल से जानते हैं, जहाँ हम एलिय्याह और एलीशा के साथ-साथ मूसा और यहोशू को भी देखते हैं।

भविष्यद्वक्ता का दायित्व आगे बढ़ाया जा रहा है। वे आवाज़ बनने जा रहे हैं। वे गवाह बनने जा रहे हैं।

वे ही वे लोग होंगे जो उन भविष्यवाणियों की घोषणा करेंगे। और जैसा कि आप ल्यूक द्वारा वर्णित उन भविष्यवाणियों के बारे में सोचते हैं, मैं इसे फिर से लाना चाहता हूँ और उन्हें उसी तरह पढ़ना चाहता हूँ जैसा कि वह कहता है। भविष्यद्वक्ता भविष्यवाणी के लिए हैं, शास्त्र जो यहाँ पूरे होते हैं कि यह लिखा है कि मसीह को पीड़ा सहनी चाहिए और तीसरे दिन मृतकों में से जी उठना चाहिए और वह प्रकट होना चाहिए कि पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप उसके नाम पर सभी राष्ट्रों में घोषित किया जाना चाहिए, न कि केवल यरूशलेम से शुरू होने वाले इज़राइल में।

तुम इन बातों के साक्षी हो, और देखो, मैं तुम्हें भविष्यद्वक्ताओं के समान भेजता हूँ। मैं तुम्हें अपने स्थान पर भेजता हूँ। मैं तुम्हें इसलिये भेजता हूँ कि पिता का वचन पूरा हो।

मूल रूप से, उस भविष्यवाणी में ये पाँच मुख्य बातें कही गई हैं। एक यह कि वह पीड़ा सहेगा और तीसरे दिन मृतकों में से जी उठेगा। यही अभी हुआ है।

उसके बाद, सभी राष्ट्रों में पश्चाताप का प्रचार किया जाएगा। इसकी शुरुआत प्रेरितों के काम की पुस्तक से होगी। लोगों को उनके पापों की क्षमा मिलेगी।

इसकी शुरुआत प्रेरितों के काम की किताब के अध्याय 2 से होगी। ठीक प्रेरितों के काम अध्याय 2, श्लोक 38। हम इस सूत्र में से कुछ को दोहराते हुए सुनेंगे। वे यरूशलेम से गवाह होंगे।

प्रेरितों के काम अध्याय 1, पद 8. आत्मा का वादा उन पर तब भी आएगा जब वे उसे स्वर्ग में चढ़ते हुए देखेंगे। प्रेरितों के काम अध्याय 1 और अध्याय 2. जैसा कि जॉनसन ने कहा। यहाँ, सुसमाचार के अंत में, हम भविष्यवाणी और पूर्ति के घटकों को पाते हैं।

ए. धर्मग्रंथ यीशु के बारे में बात करते हैं।

बी. उनकी सेवकाई, मृत्यु और पुनरुत्थान की घटनाओं के लिए एक दिव्य आवश्यकता है।

सी. यह दिव्य आवश्यकता टोरा के परीक्षण के अर्थ की पूर्ति में खुद को व्यक्त करती है।

डी. टोरा में मूसा, पैगंबर और भजन संहिता के लेखन के नियम शामिल हैं।

मैं आपको यह याद दिलाए बिना ल्यूक के सुसमाचार को समाप्त नहीं कर सकता कि जब ल्यूक पुनरुत्थान के बारे में बताता है और इन घटनाओं को बताता है और शिष्यों से आने वाली उच्च शक्ति के बारे में बात करता है, तो वह वास्तव में प्रेरितों के काम की पुस्तक की शुरुआत के लिए एकदम सही सेग्यू बना रहा है। वे गवाह होंगे।

लेकिन यहाँ अकेले लूका में, लूका हमें पुनरुत्थान के चार प्रत्यक्षदर्शी प्रस्तुत करता है। चार प्रत्यक्षदर्शी हैं जिन्हें हमें नहीं भूलना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि हम यह सोचें कि पुनरुत्थान मायावी था। वास्तव में, महिलाएँ पुनरुत्थान की गवाह थीं क्योंकि वे कब्र पर गईं और पाया कि कब्र खाली थी।

पत्थर लुढ़का हुआ था, और स्वर्गदूत ने कहा, तुम जीवित को मरे हुआओं में क्यों ढूँढ़ रहे हो? वह यहाँ नहीं है। हाँ, वह जी उठा है। पत्थर का प्रत्यक्षदर्शी विवरण जो कब्र की ओर दौड़ा, जिसने कब्र को खोदा और देखा कि जीवित मृत पड़ा था, शरीर मरा नहीं था, पत्थर लुढ़का हुआ था।

यीशु जी उठे हैं और सचमुच जी उठे हैं। उन्होंने मृत्यु पर विजय प्राप्त की थी। और इम्माऊस के रास्ते पर उन दो लोगों की कहानी, जिसमें वे अपने संघर्ष और इस्राएल के लिए मसीहा की उम्मीद में उलझे हुए थे, इस यीशु के बारे में बात कर रहे थे और फिर उस महिला ने जो बताया था उसे याद करना शुरू किया और कैसे उनके कुछ साथी भी पुष्टि करने और उस पत्थर के बारे में बताने गए थे जिसे लुढ़काया गया था और महसूस किया था, हाँ, यीशु जी उठे हैं।

तीसरा प्रत्यक्षदर्शी विवरण उन दो लोगों के बारे में है जिन्होंने यीशु को उनके साथ रोटी तोड़ते और उनकी आँखें खुलते हुए देखा। प्रत्यक्षदर्शी विवरण के अनुसार चौथी घटना यरूशलेम में घटी, जहाँ यीशु यरूशलेम में शिष्यों के सामने प्रकट हुए। 11 और, जैसा कि लूका ने समझाया, अन्य जो उनके साथ मौजूद थे।

लूका हमें बताता है कि यीशु के पुनरुत्थान की पुष्टि करने के लिए प्रत्यक्षदर्शी विवरण थे, जो यह साबित करते थे कि यह कोई मायावी कल्पना नहीं थी। लेकिन, वास्तव में, ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें लोग देखते हैं। और सबसे मानवीय बात जो एक पुनर्जीवित व्यक्ति किसी भी दृष्टिकोण को झुठलाने के लिए कर सकता था कि शायद वह एक आत्मा था, वह था कि उसने खाया।

उसने इम्माऊस में रहने वाले व्यक्ति के साथ खाया, और उसने यरूशलेम में रहने वालों के साथ खाया। और फिर हमें बताया गया है कि वह स्वर्ग में जाएगा। प्रेरितों के काम में बताया गया है कि यह यीशु, जिसे तुम जाते हुए देखते हो, उसी तरह वापस आएगा।

पुनर्जीवित यीशु। मित्रों, मुझे आशा है कि जब आप लूका के सुसमाचार पर हमारे साथ इन व्याख्यानों का अनुसरण करेंगे, तो आप यह नहीं भूलेंगे कि लूका ने हमें पद 50 से यह याद दिलाया है कि यीशु उन्हें बेथलेहम तक ले जाएगा। और फिर वह उन्हें आशीर्वाद देगा।

और फिर उसे स्वर्ग से बाहर ले जाया जाएगा। वे आराधना करेंगे, और वे यरूशलेम लौट जाएंगे। यीशु, जो दुनिया के मसीहा के रूप में आए, न केवल यहूदियों के, जो यहूदियों की परंपरा में आए और काम किया, जो यहूदी धर्म या यहूदी परंपराओं का खंडन करने के लिए कभी नहीं आए, बल्कि जो यहूदियों की मसीहाई भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए आए, जैसा कि अधिकांश लोगों ने उम्मीद नहीं की थी, लेकिन दुनिया के मसीहा के रूप में, दुनिया को बचाने के लिए आए हैं।

जैसा कि ल्यूक, एक गैर-यहूदी, थियोफिलस को लिखता है, वह उसे याद दिलाता है कि यीशु भविष्यवाणी की परंपरा के अनुसार आया था और उसने सभी भविष्यवाणियों की अपेक्षाओं को पूरा किया। उसने खुद एक भविष्यवक्ता के रूप में कार्य किया। कानून के शिक्षकों ने उसे गलत समझा।

उनके अपने शिष्यों ने उनकी सेवकाई के दायरे को गलत समझा। लेकिन यह यीशु सभी के लिए आया था। लूका में, वह बहिष्कृत लोगों, चरवाहों, विधवाओं, कोढ़ियों और गरीबों के लिए था।

वह कुलीन वर्ग, अमीर लोगों के लिए भी वहाँ था। थियोफिलस खुद अरिमथिया के यूसुफ के बारे में सोचता है, जक्कई के बारे में सोचता है, और इन सभी प्रमुख लोगों के बारे में सोचता है। यीशु उनके लिए भी आया था।

यीशु पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आए थे। पुरुष भी महिलाओं की तरह उनका अनुसरण कर रहे थे। वह बच्चों की सेवा करने आए थे, और कभी-कभी हम बच्चों को वयस्कों के अनुसरण के लिए वस्तु पाठ के रूप में उपयोग करते हैं।

यदि आप लूका अधिनियम के छात्र हैं और आप इस व्याख्यान श्रृंखला का अनुसरण करते हुए लूका अधिनियम के कुछ मुख्य विवरणों की खोज शुरू करना चाहते हैं, तो मैंने कुछ ऐसे क्षेत्र बताए हैं जिन पर आपको ध्यान देना चाहिए और अधिक खोज शुरू करनी चाहिए। विद्वानों ने कुछ क्षेत्रों की खोज की है, लेकिन मुझे लगता है कि और अधिक करने की आवश्यकता है।

लूका-प्रेरितों में पवित्र आत्मा के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन लूका-प्रेरितों में समय की संगति के बारे में बहुत कम जानकारी मिलती है।

लूका-प्रेरितों के काम में यीशु की चंगाई और करुणा की सेवकाई के बारे में बहुत कम लिखा गया है। स्वर्गदूत और दुष्टात्माएँ लोगों को डराती हैं, इसलिए वे उनका अध्ययन नहीं करना चाहते। क्या आप उनका अध्ययन करना चाहते हैं? लूका में सद्की और फरीसी, लूका के सुसमाचार में और यहाँ तक कि प्रेरितों के काम में चित्रित चित्र अन्य सुसमाचारों से अलग हैं।

आप उनका अध्ययन करना चाहते हैं। अमीर और गरीब, सामरी, पाप और मोक्ष, और शायद मैं कुछ पादरियों को असहज कर दूँ। यदि आप एक पादरी हैं जो मेरी बात सुन रहे हैं, तो ल्यूक-प्रेरितों में, क्षमा लगभग हमेशा पश्चाताप पर आधारित होती है।

इसलिए जो लोग सस्ते सुसमाचार का प्रचार करते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि लूका-प्रेरितों के काम में, क्षमा पाने के लिए व्यक्ति को अपने पापों का पश्चाताप करने की आवश्यकता होती है। दूसरी बात जिस पर शायद लूका टिमोथी जॉनसन को हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए अलग रखा जाना चाहिए, वह है लूका के सुसमाचार में भविष्यवाणी करने वाले यीशु और लूका के सुसमाचार में पाए जाने वाले साक्षी का मूल भाव। इस विषय में मैं और भी बहुत सी बातें जोड़ सकता हूँ, लेकिन मुझे उम्मीद है कि जब आप उस स्क्रीन को देखेंगे, तो आप वास्तव में उस सूची पर रुक सकते हैं जो मैंने आपके लिए स्क्रीन पर रखी है।

इन विषयों के बारे में सोचें। यदि आप एक छात्र हैं और अधिक अध्ययन करने की कोशिश कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि लूका के अधिनियमों के बारे में और भी बहुत सी बातें हैं, खासकर वैश्विक ईसाई धर्म और दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अलग-अलग लोगों के दृष्टिकोण के बारे में, जिन्हें अभी तक खोजा जाना बाकी है। मध्य पूर्व में मेरे उन दोस्तों के लिए, मैं आपसे इन विषयों की खोज के बारे में सोचना शुरू करने का आग्रह करता हूँ।

हमें यह जानने की ज़रूरत है कि ये चीज़ें आपके सांस्कृतिक दृष्टिकोण से कैसे सामने आती हैं। मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे आप हमारे साथ इस व्याख्यान श्रृंखला का अनुसरण करेंगे, आपको लूका के लेखन में कुछ रुचि विकसित होने लगेगी। लूका ने संभवतः नए नियम का एक तिहाई भाग लिखा, जिसमें लूका का सुसमाचार और प्रेरितों के काम शामिल हैं।

इस 34 व्याख्यान श्रृंखला में, मैंने आपको संपूर्ण सुसमाचार से परिचित कराने का प्रयास किया है, पाठ की प्रत्येक पंक्ति को ध्यानपूर्वक पढ़ने का प्रयास किया है। मुझे स्वीकार करना चाहिए कि मैं व्याख्यान श्रृंखला की प्रकृति के कारण कुछ क्षेत्रों में कुछ विवरणों में नहीं जा सका, जो मैं करना चाहता था, लेकिन मैंने उन मुद्दों को उजागर करने का प्रयास किया है जो इस क्षेत्र में प्रमुख हैं ताकि आप उनका पता लगा सकें। जब आप इस श्रृंखला का अनुसरण करना समाप्त कर लें, तो मैं बाइबिल ई-लर्निंग व्याख्यान श्रृंखला में प्रेरितों के कार्य व्याख्यान श्रृंखला की अत्यधिक अनुशंसा करूँगा, जिसे मेरे एक सहकर्मी, मेरे एक मित्र द्वारा दिया जाता है, जो जानता है कि वह क्या कर रहा है, मुझसे कहीं बेहतर जानता है कि मैं क्या कर रहा हूँ।

उन्होंने अब तक प्रेरितों के काम पर सबसे बड़ी टिप्पणी लिखी है, जो मैंने देखी है, 4,000 पृष्ठ। क्रेग कीनर ने प्रेरितों के काम पर बाइबिल ई-लर्निंग व्याख्यान श्रृंखला के लिए प्रेरितों के काम पर व्याख्यान श्रृंखला दी। मैं आपसे अत्यधिक आग्रह करूंगा कि आप ल्यूक की सोच, ल्यूक के धार्मिक ढांचे और इस श्रृंखला से प्रेरितों के काम की श्रृंखला तक ल्यूक के विचार पैटर्न की निरंतरता को समझें क्योंकि जब मैं ल्यूक को पढ़ता हूँ, उदाहरण के लिए, मैं ल्यूक-प्रेरितों के काम को पढ़ता हूँ।

इस तरह से लूका-प्रेरितों के काम को एक साथ पढ़ाना बेहतर है, और मैं आपको भी इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। अब तक, मैंने खुद को इस प्रक्रिया में इतना पादरी बनने से रोकने के लिए खुद को नियंत्रित करने की कोशिश की है, लेकिन मैं यहाँ आपको थोड़ा जोड़ना चाहता हूँ। थियोफिलोस को लिखा गया यह विवरण एक मसीह अनुयायी द्वारा एक साथी मसीह अनुयायी को लिखा गया था या मसीह में विश्वास को प्रेरित करने के लिए लिखा गया था।

दूसरे शब्दों में, लूका का सुसमाचार ईसाइयों के लिए है ताकि वे अपने विश्वास के बारे में और अधिक समझ सकें और परमेश्वर के साथ अपने चलने में आगे बढ़ सकें। यह कोई ऐसा पाठ नहीं है जो किसी धर्मनिरपेक्ष उद्देश्य के लिए ही बनाया गया हो। एक ईसाई के रूप में, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप लूका-प्रेरितों के काम को ईसाई दृष्टिकोण से पढ़ें।

मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं के अनुसार जीने का प्रयास करें। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप पवित्र आत्मा के कार्य के लिए खुले रहें। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप सेवा के कार्य में लग जाएँ, हमारे बीच के साधारण लोगों की सेवा करें।

मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप गरीबों के साथ-साथ अमीरों को भी खुशखबरी सुनाएँ। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप उठें और दुनिया को मसीह यीशु में उद्धार और वह आशा दिखाएँ जो वह हमारे लिए लेकर आया है। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप इस बारे में सोचें कि आप प्रभु यीशु मसीह की मदद से किसी और के जीवन में बदलाव लाने के लिए क्या कर सकते हैं।

इस व्याख्यान श्रृंखला का अनुसरण करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए खुशी की बात है, और मुझे यह जानकर गर्व है कि आप इस व्याख्यान श्रृंखला में हमारे साथ कुछ सीख रहे हैं। ईश्वर आपको आशीर्वाद दे और आपमें एक नई आग जलाए।

वह आपको सशक्त बनाए और आपको प्रज्वलित करे। वह आपके हृदय से भय को दूर करे और सुसमाचार के उद्देश्यों के लिए आपको प्रज्वलित करे। ईश्वर आपको अपना मुँह खोलने और यीशु मसीह के बारे में निर्भीकता से बोलने की कृपा प्रदान करे।

और प्रभु यीशु मसीह आपको आशीर्वाद दें और उनके नाम के लिए आप जो कुछ भी करें उसमें आपको आशीर्वाद दें। आमीन। धन्यवाद।

यह डॉ. डैनियल के. डार्को द्वारा लूका के सुसमाचार पर दिए गए उपदेश हैं। यह सत्र 34, पुनरुत्थान कथाएँ, लूका 24 है।